राज एक्सप्रेस, भोपाल
3 JAN 2015

नीति आयोग से डली संघीय ढांचे की नींव

भोपाल ■ प्रशासनिक संवाददाता।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत योजना आयोग की जगह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित किये गये नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफार्मिंग इंडिया यानि नीति आयोग के गठन से भारत के रूपांतरण की विकास प्रक्रिया में सही अर्थों में संघीय ढांचे की नींव रखी गई है। श्री चौहान ने अपने ब्लॉग और ट्विटर में कहा कि यह आयोग भारत की विकास संबंधी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने में काफी मददगार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनवरी 2015 की नई सुबह भारत ने सहकार और लोकतांत्रिक मूल्य पर आधारित विकास के नए युग में आंखें खोली हैं। यह युग प्रवर्तक परिवर्तन भारत योजना आयोग के स्थान पर बनाये गये नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफार्मेटिंग इंडिया के रूप में आया है। सीएम ने कहा कि 1952 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने देश के चहुंमुखी विकास के लिए जिस योजना आयोग का गठन किया था वह उस दौर की परिस्थितियों और आवश्यकताओं के संदर्भ में ठीक था। लेकिन बीते कुछ दशक में, विशेष कर 1991 में आर्थिक उदारीकरण के बाद योजना आयोग के वर्तमान स्वरूप के अस्तित्व की प्रासंगिकता लगातार खत्म होती चली गई। लोकतंत्र में विभिन्न प्रदेश में अलग-अलग राजनैतिक दलों की सरकारें होती हैं। यह बात लगातार महसूस की जा रही थी कि केन्द्र में सत्ताधारी दल के राजनैतिक हितों के संवर्धन में आयोग के राज्यों के साथ राजनैतिक आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह सहायक होने लगे थे। धनराशि के आवंटन में इसी कारण राज्यों के साथ भेदभाव की बात तीव्रता से महसूस की जा रही थी।

मुख्यमंत्री ने किया आयोग के गठन का स्वागत

राज्यों के विकास को मिलेगी नई दिशा और गति : श्री चौहान ने कहा कि नई सोच वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना आयोग के स्थान पर जो नीति आयोग बनाया है उसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका गठन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श और उनके सुझाव लेकर किया गया है। इसकी गवर्निंग काउंसिल में सभी मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपालों को जगह मिली है। इससे राज्यों के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।